लॉस एंड डैमेज फंड

प्रलिम्सि के लयि:

COP27 शखिर सम्मेलन, लॉस एंड डैमेज फंड, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, ग्लोबल वार्मगि, हानिऔर क्षतिपर वारसॉ अंतर्राष्ट्रीय तंत्र, हरति जलवायु कोष

मेन्स के लयि:

पर्यावरण प्रदूषण और गरिावट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संपन्न **COP27 शखिर सम्मेलन** में **संयुक्त राष्ट्र** के प्रतनिधियों ने एक **'लॉस एंड डैमेज फंड' बनाने पर सहमतिव्यक्त की,** जो जलवायु संबंधी आपदाओं के कारण सबसे कमज़ोर देशों को हुए उनके नुकसान की क्षतपूर्ति करेगा।

लॉस एंड डैमेज फंड (हानिऔर क्षतिकोष):

- 'लॉस एंड डैमेज' जलवायु परविर्तन के प्रभावों को संदर्भति करता है जसि शमन (**ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** में कटौती) या अनुकूलन (जलवायु परविर्तन प्रभावों से नपिटने की प्रथाओं को संशोधति करना) से टाला नहीं जा सकता है।
- इनमें न केवल संपत्तिकी आर्थकि क्षतबिल्कि आजीवकिा की **हानिऔर जैव ववधिता एवं सांस्कृतकि महत्त्व वाले स्थलों का वनिाश भी शामलि है।**
- इससे प्रभावति देशों के लयि **मुआवज़े का दावा करने का दायरा बढ़ जाता है।**

लॉस एंड डैमेज की अवधारणा का वकिास:

- चूँकि वर्ष 1990 के दशक की शुरुआत में जलवायु परविर्तन पर **संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन** का गठन कयिा गया था, इसलयि जलवायु परविर्तन के कारण होने वाले हानिऔर क्षतिपर बहस हुई है।
- कम-से-कम वकिसति देशों के समूह ने **लंबे समय से नुकसान और वनिाश के लयि जवाबदेही और मुआवज़े की स्थापना का लक्ष्य रखा है।**
  - हालाँकजिलवायु क्षतकि लयि ऐतहािसकि रूप से दोषी ठहराए गए **अमीर देशों ने कमज़ोर देशों की चतिाओं की अनदेखी की है।**
- **हानिऔर क्षतिपर वारसॉ अंतर्राष्ट्रीय तंत्र (WIM)** की स्थापना वर्ष 2013 में वकिासशील देशों के व्यापक दबाव के बाद बनिा फंडगि के की गई थी।
  - हालाँकगि्लासगो में वर्ष 2021 **COP26 जलवायु शखिर सम्मेलन** के दौरान हानिऔर क्षतकि लयि धन की व्यवस्था पर वचिार करने के लयि 3-वर्षीय टास्क फोर्स की स्थापना की गई थी।
- अब तक **कनाडा, डेनमार्क, जर्मनी, न्यूज़ीलैंड, स्कॉटलैंड और वालोनयिा के बेल्जयिम प्रांत** आदकिो मलिाकर सभी ने **लॉस एंड डैमेज फंड में रुचवि्यक्त की है।**

नधिकिी स्थापना से संबंधति चतिाएँ:

- जहाँ तक भवषि्य की COP वार्ताओं का संबंध है, **यह केवल एक फंड बनाने के लयि प्रतबिद्ध है और फरि इसे चर्चा हेतु छोड़ दयिा जाता है** जसिमे इसकी स्थापना और योगदान जैसी महत्त्वपूर्ण बातें शामलि होती हैं।
  - जबकि कुछ देशों ने इस फंड में नाममात्र दान कयिा है लेकनि अनुमानति क्षतपिहले से ही 500 बलियिन अमेरकिी डॉलर को पार कर चुकी है।
  - COP27 में वार्ता के दौरान **यूरोपीय संघ** ने **चीन, अरब राज्यों और "बड़े वकिासशील देशों" (शायद भारत भी)** पर इस आधार पर योगदान देने के लयि ज़ोर दयिा कि उनका उत्सर्जन में काफी योगदान था।
- **बुनयिादी ढाँचे की क्षत, संपत्तिकी क्षति** और **अमूल्य सांस्कृतकि संपत्तयिों की क्षति** आदकिो जलवायु परविर्तन के कारण होने

वाले **"नुकसान एवं क्षति"** के रूप में मापे जाने जैसा कुछ ख़ास निर्धारित भी नहीं किया गया।
    - जलवायु वित्तपोषण अब तक मुख्य रूप से [ग्लोबल वार्मिंग](#) को रोकने के प्रयास में **कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने** पर केंद्रित है, जबकि इसका लगभग एक-तिहाई हिस्सा समुदायों को भविष्य के प्रभावों के अनुकूल बनाने में मदद करने के लिये परियोजनाओं में खर्च हो गया है।

भारत की संबंधित पहलें:

- **राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष (NAFCC):**
    - जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति संवेदनशील राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों हेतु जलवायु परिवर्तन अनुकूलन की लागत को पूरा करने के लिये वर्ष 2015 में इस कोष की स्थापना की गई थी।
- **राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष (NCEF):**
    - उद्योगों द्वारा कोयले के उपयोग पर प्रारंभिक [कार्बन टैक्स](#) के माध्यम से वित्तपोषित स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिये इस कोष का निर्माण किया गया था।
    - यह एक अंतर-मंत्रालयी समूह द्वारा शासित होता है जिसका अध्यक्ष वित्त सचिव होता है।
    - इसका जनादेश जीवाश्म और गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षेत्रों में [नवीन स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी](#) के अनुसंधान एवं विकास के लिये निधि देना है।
- **राष्ट्रीय अनुकूलन कोष:**
    - आवश्यकता और उपलब्ध धन के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से वर्ष 2014 में 100 करोड़ रुपए के निधियन के साथ कोष की स्थापना की गई थी।
    - यह कोष पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के तहत संचालित किया जाता है।

आगे की राह

- हालाँकि लाभ यह है कि विकासशील देशों को गति नहीं खोनी चाहिये और यह सुनिश्चित करने के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिये कि COP विश्वसनीय उत्प्रेरक बने रहें न कि कुछ खोखली जीत के अवसर मात्र।
- इसके अलावा यह सुनिश्चित करना कि उत्सर्जन और भेद्यता को कम करने के लिये वित्त बेहतर लक्षित है, नए वित्त जुटाने हेतु एक राजनीतिक प्रतिबद्धता को बनाए रखने की आवश्यकता है। हाल के अनुभवों से सीखना और सुधार करना, खासकर जब [हरित जलवायु कोष](#) काम करता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. 'मीथेन हाइड्रेट' के निक्षेपों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. भूमंडलीय तापन के कारण इन निक्षेपों से मीथेन गैस का निर्मुक्त होना प्रेरित हो सकता है।
2. 'मीथेन हाइड्रेट' के विशाल निक्षेप उत्तरी ध्रुवीय टुंड्रा में तथा समुद्र अधस्तल के नीचे पाए जाते हैं।
3. वायुमंडल में मीथेन एक या दो दशक के बाद कार्बन डाइऑक्साइड में ऑक्सीकृत हो जाती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- '**मीथेन हाइड्रेट**' बर्फ की एक जालीनुमा पिंजड़े जैसी संरचना है, जिसमें मीथेन अणु बंद होते हैं। यह एक प्रकार की "बर्फ" है जो केवल स्वाभाविक रूप से उपसतह में जमा होती है जहाँ तापमान और दबाव की स्थिति इसके गठन के लिये अनुकूल होती है।
- आर्कटिक पर्माफ्रॉस्ट के नीचे मीथेन हाइड्रेट और तलछटी चट्टानी इकाइयों के निर्माण और स्थिरता के लिये उपयुक्त तापमान एवं दबाव की स्थिति वाले क्षेत्रों में महाद्वीपीय सीमांत पर तलछट जमाव; अंतर्देशीय झीलों और समुद्रों के गहरे पानी के तलछट तथा अंटार्कटिक बर्फ आदि शामिल है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **मीथेन हाइड्रेट्स** जो एक संवेदनशील तलछट है, तापमान में वृद्धि या दबाव में कमी के साथ तेज़ी से पृथक हो सकते हैं।
- इस पृथक्करण से मुक्त मीथेन और पानी को प्राप्त किया जाता है जिसे ग्लोबल वार्मिंग के द्वारा रोका जा सकता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- मीथेन वायुमंडल से लगभग 9 से 12 वर्ष की अवधि में ऑक्सीकृत हो जाती है जहाँ यह कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तित होती है। **अत: कथन 3 सही है। अतः विकल्प (d) सही है।**

?????:

प्रश्न. नवंबर, 2021 में ग्लासगो में विश्व के नेताओं के शिखिर सम्मेलन में COP26 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में, आरंभ की गई हरित ग्रिड पहल का प्रयोजन स्पष्ट कीजिये। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) में यह विचार पहली बार कब दिया गया था? **(2021)**

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (UNFCCC) के COP के 26वें सत्र के प्रमुख परिणामों का वर्णन कीजिये। इस सम्मेलन में भारत द्वारा की गई प्रतिबद्धताएँ क्या हैं? **(2021)**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/loss-and-damage-funding-for-climate-damages